एवरशाइन

हिंदी व्याकरण

अशोक लव
एम. ए. (हिंदी), बी. एड. (दिल्ली विश्व.)
हिंदी-संस्कृत विभागाध्यक्ष
द एयर फ़ोर्स स्कूल, सुब्रोतो पार्क
दिल्ली छावनी ।

8

शिक्षा विभाग की नीतियों के अनुसार

© प्रकाशकाधीन सुरक्षित हैं

इस पुस्तक के किसी भाग का, किसी भी रूप में, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना मुद्रण, संग्रहण अथवा प्रसारण वर्जित है ।

भूमिका

व्याकरण भाषा के शुद्ध प्रयोग का ज्ञान कराता है । भाषा के मौखिक और लिखित रूपों का ज्ञान व्याकरण द्वारा होता है । हिंदी भाषा विश्व की प्रामाणिक भाषा है । इसकी संरचना वैज्ञानिक पद्धति से हुई है । इसकी सबसे बड़ी विशेषता है कि इसे जिस रूप में लिखा जाता है, इसका उच्चारण भी उसी रूप में किया जाता है । इसलिए इसके व्याकरण के ज्ञान से इसके मौखिक और लिखित दोनों रूपों पर समानाधिकार आ जाता है ।

समय तेज़ी से बदल रहा है । इसके साथ-साथ शिक्षा-पद्धितयों में भी तेज़ी से परिवर्तन आ रहा है । संचार माध्यमों के प्रचार-प्रसार और विश्वीकरण का प्रभाव शिक्षा जगत पर भी पड़ा है । भाषा पर इन सबका प्रभाव पड़ रहा है । संसार में वही भाषा जीवित रहती है जिसने विज्ञान और इलैक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में हुए परिवर्तनों को स्वीकार करके नवीन स्थितियों के अनुसार स्वयं को ढाल लिया है । हिंदी इन परिवर्तनों को स्वीकार करके समृद्ध हुई है ।

व्याकरण की यह पुस्तक-शृंखला इन समस्त स्थितियों को समक्ष रखकर तैयार की गई है । इसकी भाषा विद्यालयों के विद्यार्थियों के स्तरानुकूल है । पांडित्य प्रदर्शन हेतु संस्कृत की तत्सम प्रधान शब्दावली से बचा गया है । इस पुस्तक-शृंखला में विद्यार्थियों को केंद्र में रखा गया है । नियमों-उपनियमों और अभ्यासों की भाषा बोधगम्य है । इसका उद्देश्य है – विद्यार्थी पढ़कर इन्हें स्वयं समझ सकें ।

व्याकरण जैसे नियमों-उपनियमों से भरे शास्त्र को शुष्क एवं नीरस माना जाता है । इस शृंखला की प्राथमिक स्तर की पुस्तकों (भाग तीन, चार और पाँच) को रंगीन चित्रों के माध्यम से आकर्षक बनाया गया है । विभिन्न नियमों को जीवन के साथ संबद्ध करके समझाया गया है । बाल-गीतों की पंक्तियों और गीतों के माध्यम से व्याकरण को पढ़ाने का नया प्रयोग व्याकरण जगत में पहली बार किया गया है । इससे विद्यार्थियों की व्याकरण पढ़ने में रुचि बढ़ी है । अध्यापक-अध्यापिकाओं ने इस प्रयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की है । उनकी प्रतिक्रिया थी कि आज तक किसी ने सोचा भी न था कि व्याकरण जैसे नीरस विषय को बाल-गीतों के उदाहरणों द्वारा भी पढ़ाया-समझाया जा सकता है ।

प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा के व्याकरण का अध्ययन सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है । इसी स्तर पर विद्यार्थी भाषा सीखना आरंभ करता है । भाषा की नींव इसी समय रखी जाती है । मात्राओं का उचित प्रयोग करने से लेकर अनुच्छेद और कहानी तक कक्षा पाँच तक हो जाता है । इन कक्षाओं में व्याकरण-अध्ययन अत्यंत आवश्यक होता है । इसलिए इस स्तर की पुस्तकों को अध्यापक-अध्यापिकाओं की आवश्यकताओं और विद्यार्थियों की आयु और ग्रहण क्षमता को समक्ष रखकर तैयार किया गया है ।

माध्यमिक स्तर की पुस्तकों की भाषा भी सहज और सरल है । इसके उदाहरण आम जीवन से संबद्ध हैं । ये विद्यार्थियों के परिवेश से सीधे जुड़े हुए हैं । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यालयों में विद्यार्थियों और अध्यापक-अध्यापिकाओं को अध्ययन में जो कठिनाइयाँ आती हैं, उन्हें भी दृष्टिगत रखकर भाग छह, सात, आठ को तैयार किया गया है । अभ्यास के लिए पर्याप्त प्रश्न दिए गए हैं ।

प्रश्नों के साथ ही उत्तरों के लिए पर्याप्त स्थान रखे गए हैं । इससे विद्यार्थियों को गृह-पुस्तिकाओं में कार्य करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी । यदि प्रत्येक अध्याय के साथ दिए गए **'प्रश्न और अभ्यास'**

गंभीरतापूर्वक किए जाएँगे तो विद्यार्थी व्याकरण में पारंगत हो जाएँगे ।

साहित्य के क्षेत्र में लगभग तीस वर्षों के निरंतर लेखन एवं अध्यापन के दो दशकों से अधिक के अनुभव के पश्चात व्याकरण-लेखन का उद्देश्य है, विद्यार्थियों की हिंदी भाषा में रुचि जाग्रत हो । वे इसका शुद्ध प्रयोग करें । उनकी अभिव्यक्ति क्षमता विकसित हो । उनकी राष्ट्रभाषा के प्रति सकारात्मक सोच बने । इस पुस्तक-शृंखला से उनमें हिंदी साहित्य के प्रति रुचि विकसित होगी । आशा है व्याकरण पुस्तकों की यह शृंखला अध्ययन-अध्यापन के अपने उद्देश्य में सार्थक सिद्ध होगी ।

इस पुस्तक को विभिन्न राज्यों के शिक्षा विभागों, एस.सी.ई.आर.टी., एन.सी.ई.आर.टी और सी.बी.एस.ई. की पाठ्यक्रम नीतियों और पाठ्यक्रमों को दृष्टिगत रखकर तैयार किया गया है । अंग्रेज़ी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए यथास्थान अंग्रेज़ी के पर्यायवाची शब्द दिए गए हैं ।

आशा है हिंदी भाषा के अध्यापक-अध्यापिकाएँ इस पुस्तक-शृंखला का अपनी सहायिका के रूप में स्वागत करेंगे । उनके द्वारा ही ज्ञान प्रदान करने का पावन कार्य संपन्न होता है । उनके इस समर्पित, पावन और अतुलनीय कार्य में यह पुस्तक सार्थक भूमिका निभा सकेगी, ऐसा हमारा विश्वास है ।

विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इसे रुचिकर एवं उपयोगी पाएँगे । आप सबकी प्रतिक्रिया और सुझावों की हमें प्रतीक्षा रहेगी ।

अशोक लव

विषय-सूची

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
1.	भाषा, लिपि, उपभाषा, बोली, व्याकरण, साहित्य, हिंदी भाषा (Language, Script, Sub-Language, Grammar, Dialect, Literature, Hindi Language)	7
2.	वर्ण-विचार (Phonology)	11
3.	शब्द-विचार (Morphology)	19
4.	शब्द-संरचना (Etymology) : संधि (Joining)	24
5.	शब्द-संरचना : समास (Compound)	30
6.	शब्द-संरचना : उपसर्ग (Prefix)	35
7.	शब्द-संरचना : प्रत्यय (Suffix)	40
8.	वर्तनी का शुद्ध और मानक रूप (Correct and Standard Form of Spellings)	45
9.	संज्ञा (Noun)	51
10.	संज्ञा-विकार : लिंग (Gender)	55
11.	संज्ञा-विकार : वचन (Numbers)	60
12.	संज्ञा-विकार : कारक (Case)	66
13.	संज्ञाओं का रूप-परिवर्तन (Transformation of Nouns)	70
14.	सर्वनाम (Pronoun)	75
15.	सर्वनामों का रूप-परिवर्तन (Transformation of Pronouns)	80
16.	विशेषण (Adjective)	83
17.	क्रिया (Verb)	94
18.	काल (Tense)	100
19.	वाच्य (Voice)	105
20.	क्रियाविशेषण (Adverb)	108
21.	संबंधबोधक (Post-Position)	112
22.	समुच्चयबोधक (Conjunction)	115
23.	विस्मयादिबोधक (Interjection)	118
24.	पद-परिचय (Parsing)	121
25.	वाक्य-विचार (Syntax)	125
26.	अलंकार-परिचय	131
27.	मुहावरे, अर्थ और वाक्यों में प्रयोग	134
28.	लोकोक्तियाँ, अर्थ और वाक्यों में प्रयोग	142
29.	पर्यायवाची शब्द (Synonyms)	146
30.	विलोम शब्द (Antonyms)	151
31.	शब्द एक, अर्थ अनेक (Words with Various Meanings)	155
32.	अनेक के लिए एक शब्द (One Word for Group of Words)	158
33.	समान रूप पर अर्थ भिन्न (Pair of Words Distinguished)	161
34.	अपठित गद्यांश (Unseen Passage)	164
35.	सार-लेखन (Precis Writing)	169
36.	तार लेखन (Telegram Writing)	173

क्रम	अध्याय	पृष्ठ संख्या
37.	डायरी लेखन (Diary Writing)	177
38.	पत्र लेखन (Letter Writing)	
	1. प्रधानाचार्य को पत्र – अवकाश के लिए	179
	2. प्रधानाचार्य को पत्र – हिंदी-दिवस मनाने के लिए	180
	3. कक्षा-अध्यापिका को पत्र – टूटे डेस्कों की ओर ध्यान दिलाने के लिए	180
	4. संपादक को पत्र – क्षेत्र में बार-बार बिजली जाने के विषय में	180
	5. प्रकाशक को पुस्तकें भेजने के लिए पत्र	181
	6. छोटे भाई को पत्र – पुस्तक-मेला देखने के लिए	181
	7. मित्र को पत्र – स्वास्थ्य के विषय में पूछताछ	182
	8. दादा जी को पत्र – परीक्षा-परिणाम की सूचना देने के लिए	182
	9. नानी जी को पत्र – जन्म-दिवस पर उपहार भेजने के लिए धन्यवाद	183
	10. बड़ी बहन को पत्र – जन्म-दिवस पर बधाई	183
	11. सखी को पत्र – नई पढ़ी पुस्तक के विषय में	183
	12. मित्र को पत्र – पुरस्कार मिलने की सूचना देने के लिए	184
	13. चाचा जी को पत्र – विदेश में नौकरी लगाने पर बधाई	184
	14. मित्र को पत्र – व्यायाम का महत्व बताने के लिए	185
	15. मित्र को पत्र – दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के विषय में	185
39.	अनुच्छेद-लेखन (Paragraph-Writing)	187
40.	निबंध-लेखन (Essay-Writing)	
	1. हमारा भारत हमारी शान	190
	2. श्रम का महत्व	191
	3. दैनिक जीवन में विज्ञान	191
	4. पुस्तक मेले का आँखों देखा वर्णन	192
	5. विद्यार्थी और अनुशासन	193
	6. मेरी प्रिय पुस्तक	194
	7. सबसे बड़ा रुपया	194
	8. मित्रता	195
	9. पराधीन सपनेहुं सुख नाहीं	196
	10. जीवन में त्योहारों का महत्व	197
	11. नोबेल पुरस्कार	198
	12. समाचार-पत्र	198
	13. मेरे सपनों का विद्यालय	199
	14. ज्योति-पर्व : दीपावली	200
	15. यदि मैं अध्यापिका होती	201
	16. जैसी संगत वैसी रंगत	202
	17. क्रिकेट में धाँधलेबाज़ी	203
	18. चमचागिरी: अद्भुत कला	204
	19. मैंने भाषण दिया	204
	20. मेरे जीवन का लक्ष्य	205
	21. करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान	206
	22. स्वस्थ तन स्वस्थ मन	207

1 भाषा, लिपि, उपभाषा, बोली, व्याकरण, साहित्य और हिंदी भाषा (Language, Script, Sub-Language, Grammar, Dialect, Literature & Hindi Language)

1. भाषा (Grammar)

संस्कृत की 'भाष्' धातु से भाषा शब्द बना है। 'भाष्' का अर्थ 'बोलना' होता है। इसलिए भाषा को बोलने अर्थात् मन के भावों को अभिव्यक्त करने के लिए प्रयुक्त किया जाता है।

भाषा के जन्म के साथ ही मनुष्य ने सभ्यता के आँगन में कदम रखे थे। इससे पूर्व वह संकेतों द्वारा अपने भावों को अभिव्यक्त करता था। भाषा के आविष्कार द्वारा वह बोलना सीखा था। इस प्रकार भाषा के मौखिक रूप ने जन्म लिया। धीरे-धीरे ध्वनि चिह्न बने। इनसे भाषा का लिखित रूप बना। इस प्रकार मनुष्य एक-दूसरे तक अपने मन के भाव और विचार प्रकट करने लगा।

भाषा भावों और विचारों को प्रकट करने और जानने का साधन है।

भाषा के रूप (Kinds of Language)

भाषा के दो रूप होते हैं –

(क) मौखिक भाषा (Spoken Language)

(ख) लिखित भाषा (Written Language)

(क) मौखिक भाषा (Spoken Language)

मन के भावों और विचारों को बोलकर प्रकट करने और सुनकर जानने का कार्य भाषा के मौखिक रूप द्वारा होता है।

रूपा ने कहा, "चल ! कैंटीन चलकर चौमिन्ज़ खाएँ।"

सुमनलता " चल ! जल्दी कर, मुझे भूख लगी है।"

रूपा और सुमनलता के मध्य हुई यह बातचीत भाषा का मौखिक रूप है। भाषा का मौखिक रूप अस्थायी होता है।

इलैक्ट्रॉनिक माध्यमों से अब भाषा का मौखिक रूप भी स्थायी हो गया है। इसे टेप करके कसेट्स में सुरक्षित रखा जा सकता है।

(ख) लिखित भाषा (Written Language)

भाषा के लिखित रूप द्वारा मन के भावों और विचारों को लिखकर प्रकट किया जाता है और पढ़कर जाना जाता है।

कृपया यहाँ वाहन खड़े न करें।

यह भाषा का लिखित रूप है। पुस्तकें, समाचार-पत्र, पत्रिकाएँ, विज्ञापन-पट्ट आदि भाषा के लिखित रूप हैं। छापेखाने और कंप्यूटरों से मुद्रित सामग्री भाषा के लिखित रूप होते हैं।

2. लिपि (Script)

भाषा को लिखने के लिए ध्वनि-चिह्न बनाए गए। इनके द्वारा भाषा लिखी जाने लगी। भाषा को जिस ढंग से लिखा जाता है उसे लिपि कहते हैं।

भाषा को लिखने का ढंग लिपि कहलाता है।

संसार की भाषाओं को भिन्न रूपों में लिखा जाता है । इसलिए भिन्न-भिन्न भाषाओं की भिन्न-भिन्न लिपियाँ होती हैं ।

हिंदी भाषा की लिपि **देवनागरी** है ।

अंग्रेज़ी भाषा **रोमन** लिपि में लिखी जाती है ।

पंजाबी भाषा को **गुरुमुखी** लिपि द्वारा लिखा जाता है ।

उर्दू भाषा की लिपि **फ़ारसी** है ।

संस्कृत, नेपाली, मराठी आदि भाषाएँ भी देवनागरी लिपि में लिखी जाती हैं ।

3. उपभाषा (Sub-Language)

किसी भाषा के अंतर्गत आने वाले विस्तृत क्षेत्र के किसी सीमित क्षेत्र की बोली, जिसमें साहित्यिक रचनाएँ होती हों, उपभाषा कहलाती है ।

4. बोली (Dialect)

भाषा का वह रूप जो किसी छोटे-से क्षेत्र में केवल बोला जाता है, बोली कहलाता है ।

हिंदी की उपभाषाएँ और बोलियाँ निम्नलिखित हैं –

उपभाषा		बोलियाँ
(क)	पश्चिमी हिंदी	ब्रज, खड़ी बोली, बाँगरू, बुंदेली, कन्नौजी ।
(ख)	पूर्वी हिंदी	अवधी, छत्तीसगढ़ी, बघेली ।
(ग)	बिहारी	भोजपुरी, मैथिली, मगही, अंगिका ।
(घ)	राजस्थानी	मारवाड़ी, मेवाती, मेवाड़ी ।
(ङ)	पहाड़ी	मंडियाली (हिमाचली), गढ़वाली, कुमाऊँनी ।

5. व्याकरण (Grammar)

हरिदास समोसा खाई । **देवज्योति साड़ी पहना ।**

लड़कियाँ नाचता है । **उत्तम कुमार भागती है ।**

ये वाक्य अशुद्ध हैं । इनमें लिंग, वचन और कारक का शुद्ध प्रयोग नहीं हुआ है । ऐसा व्याकरण के नियमों से ज्ञात होता है । इनका शुद्ध रूप है :

हरिदास ने समोसा खाया । **देवज्योति ने साड़ी पहनी ।**

लड़कियाँ नाचती हैं । **उत्तम कुमार भागता है ।**

भाषा का शुद्ध प्रयोग करने और जानने का ज्ञान कराने वाले शास्त्र को व्याकरण कहते हैं ।

6. साहित्य (Literature)

ज्ञान का क्षेत्र विस्तृत है । कंप्यूटर, इलैक्ट्रॉनिक, अंतरिक्ष, चिकित्सा, नृत्य, उपन्यास, लघुकथा, इतिहास, रसायन-शास्त्र आदि हज़ारों विषयों से ज्ञान प्राप्त किया जा सकता है । ज्ञान के ये भंडार हज़ारों वर्षों से सुरक्षित हैं । इन्हें साहित्य कहा जाता है ।

ज्ञान के सुरक्षित भंडार को साहित्य कहते हैं ।

7. हिंदी भाषा (Hindi Language)

सहारनपुर से लेकर मेरठ, दिल्ली और कुरुक्षेत्र के अंचलों में 'खड़ी बोली' बोली जाती थी। इस बोली ने 19 वीं शताब्दी में तेज़ी से विकास किया। आधुनिक हिंदी इसी खड़ी बोली का विकसित रूप है।

14 सितंबर 1949 को भारत की राष्ट्रभाषा हिंदी को भारतीय संविधान की धारा 343 (1) के अंतर्गत देश की राजभाषा का रूप दिया गया। इस दिन को 'हिंदी-दिवस' के रूप में मनाया जाता है। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, **"हम लोगों ने निर्णय किया है कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। उसके इस पद के अनुकूल, हम उसे शक्तिशाली भाषा बनाएँगे।"**

हिंदी लेह-लद्दाख से अंडमान-निकोबार तक बोली और समझी जाने वाली भाषा है। यह देश की राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क-भाषा है। प्रत्येक भारतीय को अपनी राष्ट्रभाषा पर गर्व करना चाहिए।

प्रश्न और अभ्यास

1. **निम्नलिखित की परिभाषाएँ लिखिए।**

   (क) भाषा (ख) लिपि (ग) उपभाषा (घ) बोली

   (ङ) व्याकरण (च) साहित्य।

   .....

   .....

   .....

   .....

   .....

2. **भाषा के विषय में 40-45 शब्दों में अपने विचार लिखिए।**

   .....

   .....

   .....

3. **शुद्ध कथनों के आगे 'सत्य' लिखिए।**

   (क) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा है। .....

   (ख) भारत में अधिकतर लोग अंग्रेज़ी बोलते हैं। .....

   (ग) भाषा केवल लिखने के काम आती है। .....

   (घ) 14 सितंबर को हिंदी-दिवस मनाया जाता है। .....

   (ङ) बोली और भाषा में अंतर नहीं होता। .....

   (च) संविधान में हिंदी को राजभाषा माना गया है। .....

   (छ) 'मंडियाली' बोली हिमाचल प्रदेश में बोली जाती है। .....

   (ज) लिपि द्वारा भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान होता है। .....

   (झ) हिंदी की दस उपभाषाएँ हैं। .....

4. **रिक्त स्थानों में उचित शब्द लिखिए।**

   (क) रामचरितमानस ग्रंथ भाषा का ..... रूप है।

   (ख) हिंदी भारत की राष्ट्रभाषा, राजभाषा और ..... है।

   (ग) भाषा को लिखने का ढंग ..... कहलाता है।

(घ) संस्कृत भाषा की लिपि ..... है ।

(ङ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान ..... द्वारा होता है ।

(च) बातचीत भाषा का ..... रूप है ।

(छ) ज्ञान के सुरक्षित भंडार को ..... कहते हैं ।

(ज) गुरुमुखी लिपि द्वारा ..... भाषा लिखी जाती है ।

(झ) लता मंगेशकर द्वारा गाया गीत भाषा का ..... रूप है ।

(ञ) उर्दू की लिपि ..... है ।

5. **नीचे लिखे प्रांतों की प्रमुख भाषा का नाम लिखिए ।**

(क) तमिलनाडु .....

(ख) पंजाब .....

(ग) कर्नाटक .....

(घ) बिहार .....

(ङ) दिल्ली .....

(च) आंध्र प्रदेश .....

(छ) महाराष्ट्र .....

(ज) उड़ीसा .....

(झ) केरल .....

(ञ) राजस्थान .....